Code–MPI-E 303
M.A. SEMESTER-III
Examination-2021
Subject : Philosophy
Paper Name- Vedanta Shankara & Ramanuja (वेदान्तः शंकर और रामानुज)
Maximum marks:70
Pass Percentage: 40%

Time : Three Hours

नोट– प्रश्नपत्र दो भाग 'ए' तथा 'बी' में विभक्त है। निर्देशानुसार दोनों भाग करने हैं।

(सेक्शन–ए)

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट– किन्ही पाँच प्रश्नों के प्रति प्रश्न लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 6 अंकों का है। (5X6=30 अंक)

1. आचार्य शंकर के अनुसार अजातवाद को स्पष्ट कीजिए।
2. अस्पर्शयोग (अवनीभाव) क्या है?
3. आचार्य शंकर के अनुसार अध्यास क्या है?
4. आचार्य शंकर माया के विषय में क्या कहते हैं?
5. आचार्य शंकर की दृष्टि से ईश्वर के स्वरूप का स्पष्ट वर्णन कीजिए।
6. अनिर्वचनीय ख्याति से आप क्या समझते हैं?
7. रामानुज के अनुसार अचित तत्त्व का निरूपण कीजिए।
8. रामानुज के सत्कार्यवादः प्रकृति से जगत की उत्पत्ति पर प्रकाश डालिए।
9. रामानुज द्वारा वर्णित सत्ख्याति का वर्णन कीजिए।
10. रामानुज ने जीवन मुक्ति का खण्ड़न किस प्रकार किया है?

(सेक्शन–बी)

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट– किन्ही चार प्रश्नों के विस्तृत उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 10 अंकों का है। (4X10=40 अंक)

11. आचार्य शंकर द्वारा बताये गये चेतना के चार चरण की विस्तार से व्याख्या कीजिए।
12. सुषुप्ति एवं समाधि को समझाकर इनमें अन्तर स्पष्ट कीजिए।
13. माया के स्वरूप के विषय में आचार्य शंकर क्या कहते हैं? विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।
14. शंकर के कारण कार्य सिद्धान्त (विवर्तवाद) का विस्तार से वर्णन कीजिए।
15. माया और अविद्या की एकता पर आचार्य शंकर के विचारों की व्याख्या कीजिए।
16. आचार्य शंकर की दृष्टि से ईश्वर के स्वरूप का वर्णन कीजिए।
17. चित्त, अचित्त व ईश्वर पर रामानुज के विचारों की व्याख्या कीजिए।
18. रामानुज के अनुसार भक्ति एवं प्रपत्ति को स्पष्ट कीजिए।